चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 19.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम....1-4.....

एचएयू के स्टूडेंट्स ने पोस्टर के माध्यम से दिया सोशल अवेयरनेस का मैसेज

फर्स्ट एड-डे पर होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

सिटी रिपोर्टर • रंग अभिव्यक्ति का बहुत ही प्यारा जरिया है। रंगों का मेल अनकहे को भी शब्द देने का काम करता है। कुछ ऐसे ही रंगों के जरिए सोशल अवेयरनेस का मैसेज एचएयू के स्टूडेंट्स ने फैलाया। दरअसल, एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन हुआ। इस महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों ने यह आयोजन किया।

स्पर्धा में 50 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया

कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि पोस्टर से फर्स्ट एड की जानकारी दी।

इनका परफॉर्मेंस रहा सबसे खास

हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि कॉलेज की इशिका ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय और गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान पाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक 19.9.2020 पृष्ठ संख्या ....4.... कॉलम ....3-5....

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एचएयू के होम साइंस कॉलेज ने किया था प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा ने तृतीय स्थान हासिल किया था।

घर में रखें प्राथमिक चिकित्सा किट

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर हम घर या बाहर चोटिल हो जाते हैं और घबराकर हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं, तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता और कार्यक्रम आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का विषय 'प्राथमिक उपचार कें जरिये जीवन बचता है' रखा गया है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के 50 से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला, वीर भूमि........

दिनांक .19. 9. 2020..पृष्ठ संख्या....4, 1........कॉलम....6, 1........

पोस्टर मेकिंग में कृषि महाविद्यालय की ईशिका प्रथम

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसका आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में वह घबराकर तुरंत अस्पताल पहुंच जाते हैं, जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है।

इशिका और खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि हस्तनिर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की तनीषा तीसरे स्थान पर रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी दिल्ली .....

दिनांक 17.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

हिसार, 18 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. विमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागाध्यक्ष डा. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डा. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। इस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पाठक पक्ष.......

दिनांक 18-9-2020 पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक ..18..9..2022..पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

सार समाचार

इशिका व खुशबू ने बनाए सुंदर पोस्टर

पल पल न्यूज: हिसार, 18 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान , द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......सिटी पल्स.......

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

खुशबु

पलक जैन

शुभम

इशिका

दिव्या

तनीषा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार के लिए तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान , द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 18.9.2020...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय

घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें।

विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है।

50 प्रतिभागियों ने भाग लिया

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान , द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या........—........ कॉलम........—........

हकृवि : पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में इशिका व खुशबू प्रथम

हिसार/18 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य पर पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का थीम प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचता है, है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............पांच प्रो.............

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसे महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार के लिए तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......समर घोष......

दिनांक ..18..9..2020....पृष्ठ संख्या........5........कॉलम........

प्रतियोगिता में इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान , द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......दैनिक भास्कर.......

दिनांक 29.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.......कॉलम......5-8......

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा देश : प्रो. समर

पंचनंद शोध संस्थान की ई-गोष्ठी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के वीसी ने रखे विचार

भास्कर न्यूज़| हिसार

भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने रखे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार

अध्यक्षीय भाषण देते एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपये का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफ्टिंग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे।

ई-गोष्ठी में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोयल, डॉ. रविंद्र सिंह ढिल्लो, डॉ. हरिदत्त कौशिक, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्री श्याम सुंदर शर्मा, गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. बिश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल रहे।

इधर, एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का हुआ शुभारम्भ

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें केन्या, युएसए के वैज्ञानिकों ने भी विचार रखे। वेबिनार में एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने कोरोना काल में खानपान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही अन्य वैज्ञानिकों के सवालों के भी जवाब दिए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार इस सप्ताह को पूरे महीने मनाया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइसिस के चेयरमैन डॉ. कमल गुप्ता मुख्यातिथि रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्य संरक्षक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 20.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

mycity

न्यूज कैप्सूल

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रो. समर सिंह

हिसार। हमारा देश प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में कही। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' रहा। प्रो. समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही हैं। राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 20...9...2020...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

हरियाणा सरकार ने देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए टॉय कम्पनियों से शुरू की बातचीत

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 सितम्बर : हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ

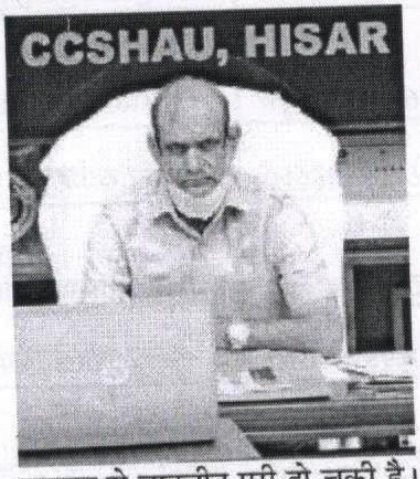

सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपए का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपए का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफ्टिग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे। ई-गोष्ठी में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोयल, डॉ. रविंद्र सिंह ढिल्लो, डॉ. हरिदत्त कौशिक, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्री श्याम सुंदर शर्मा, गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. बिश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: हैलो हिसार

दिनांक: 20.9.2020 पृष्ठ संख्या: — कॉलम: —

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रोफेसर समर सिंह

पंचनंद शोध संस्थान की ई-गोष्ठी में रखे विचार

हैलो हिसार न्यूज

हिसार, हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपये का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफ्टिग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी आदि।

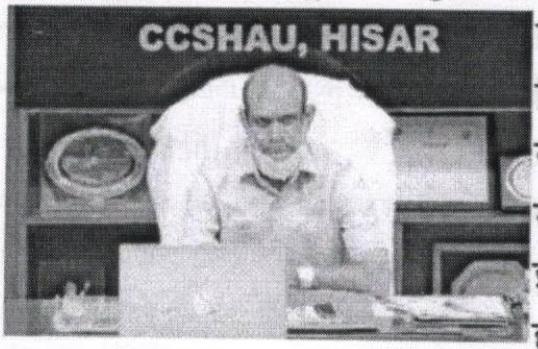

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....सच कहूं....

दिनांक 21.9.2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

पंचनंद शोध संस्थान की ई-गोष्ठी में रखे विचार

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे।

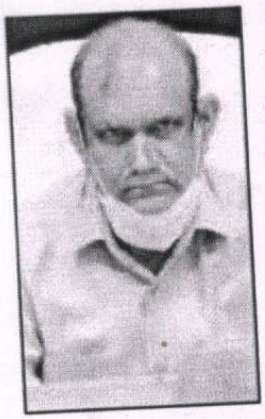

ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपये का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफ्टिग हो, जिसरे उत्पादन व खपत दोनों की योजन पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टां ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लां एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरका द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......समर घोष.......

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश: प्रो. समर सिंह

हिसार। हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे।

ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपए का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपए का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफ्टिग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए।

साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे। ई-गोष्ठी में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोयल, डॉ. रविंद्र सिंह ढिल्लो, डॉ. हरिदत्त कौशिक, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्याम सुंदर शर्मा, गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. बिश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-2.....

हिसार : एचएयू ने बीएससी एग्रीकल्चर की चार वर्षीय कोर्स की तिथि बढ़ाई

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों तथ उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। ऐसे में जिस अभ्यर्थी बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर तथा फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। विवि कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने छात्रों से आह्वान किया है कि वह दाखिला संबंधी अन्य जानकारियां विवि की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

■ आवेदन की अंतिम तिथि 23 सितंबर तथा फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। विवि कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने छात्रों से आह्वान किया है कि वह दाखिला संबंधी अन्य जानकारियां विवि की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या......4...... कॉलम......4......

एचएयू ने आवेदन तिथि 23 सितंबर तक बढ़ाई

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। 23 सितंबर तक आवेदन फार्म जमा किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर है।

फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 20.6.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 8

एचएयू में ऑनलाइन प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे स्टूडेंट्स

हिसार| एचएयू में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक और खुशखबरी है। अब एचएयू प्रमाण पत्रों को लेकर भी डिजिटलाइज हो गया है। इसमें छात्रों को मार्कशीट और डिग्री के साथ साथ अब ट्रांसक्रिप्ट लेने के लिए कैंपस आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इनका विवि की साइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। तत्काल फीस जमा कराकर प्राप्त किया जा सकेगा। विवि प्रशासन ने कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। हालांकि विवि प्रशासन पिछले काफी समय से इसके लिए प्रयासरत था।डिग्री बनवाने के लिए अंतिम वर्ष की मार्कशीट, आईडी प्रूफ आधार कार्ड, मार्कशीट नाम संसोधन के लिए हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मार्कशीट विवि से प्राप्त मार्कशीट, आईडी प्रूफ अपलोड करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पंजाब केसरी.......

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या.......1.......कॉलम.......4.......

एच.ए.यू. ने बी.एस.सी. एग्रीकल्चर में 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार, 19 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बी.एस.सी. ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बी.एस.सी. ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। इसकी अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2020 है। फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवम्बर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बी.आर. कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर निरंतर चैक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक हिसार

दिनांक 19.9.2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

एचएयू ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार, 19 सितम्बर।। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बडी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाठक पक्ष....

दिनांक .19.9.2020.... पृष्ठ संख्या....–.... कॉलम....–....

एचएयू ने बढ़ाई बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 19 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... नित्य शक्ति टाइम्स ....

दिनांक 19. 9. 2020 पृष्ठ संख्या ...... — ...... कॉलम ...... — ......

हकृवि ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि 23 तक बढ़ाई

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है । आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पाँच बजे......

दिनांक 19.9.2020......पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

एचएयू ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है । आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 1-3

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

इम्युनिटी बूस्टिंग के लिए मोटे अनाज व हरी-सब्जियों का ज्यादा करें प्रयोग

सिटी रिपोर्टर • वर्तमान समय में अनेक गर्भवती महिलाएं और बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है। ऐसे में कुपोषण और एनीमिया चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन और जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। यह विचार विधायक कमल गुप्ता ने एचएयू में आयोजित हुए एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में व्यक्त किए। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन।

स्मार्टफोन की मदद से पता चलेगा भोजन में कितने हैं लौह तत्व

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

मोटापा और सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा देश

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी तरफ उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिड्न हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है।

700 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

एचएयू होम साइंस कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने पोषण माह के तहत करवाई जा रही गतिविधियों के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग को बधाई दी। इस वेबिनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरण.....

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

स्मार्ट फोन से जांच सकते भोजन की पौष्टिकता

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें विधायक डा. कमल गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आइडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। वेबिनार में यूएसए की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डा. जुआन अंद्रादे ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

दरअसल कई बार कई प्रोडक्ट के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने पर लौह तत्वों में कमी आ जाती है या कंपनी अधिक लौह तत्व डालने का दावा करती है तो लोग इस टेस्ट से आसानी से लौह तत्व की मात्रा पता कर सकती है। इसमें एक विशेष प्रकार का पेपर दिया जाता है पेपर पर वह फूड डालना होता है इसके बाद उस पेपर पर जो परिणाम आए उसे मोबाइल एप से स्कैन करना है। स्कैन के बाद मोबाइल एप आपको रिजल्ट दिखा देगी। जबकि सामान्य तौर पर लैब में एक बड़ी रासायनिक प्रक्रिया के बाद लौह तत्वों का पता लगा जाता है।

वेबिनार के दौरान व्याख्यान देते मुख्यातिथि विधायक कमल गुप्ता , कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। • पीआरओ

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : कमल गुप्ता

विधायक डा. कमल गुप्ता ने कहा कि कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम मन की बात में कहा था कि वह देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने इस बारे में संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है।

मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश : प्रो समर सिंह

कुलपति प्रो समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिड्न हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है। सचिव एवं मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की महानिदेशक अमनीत पी. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। सरकार कुपोषण व एनीमिया की समस्या के निदान के लिए प्रयासरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-4.....

जनांदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : कमल गुप्ता

एच.ए.यू. में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतर्राष्ट्रीय वैबिनार आयोजित

हिसार, 20 सितम्बर (ब्यूरो): कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार स्थानीय विधायक कमल गुप्ता ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वैबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आई.डी.पी. प्रोजैक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है।

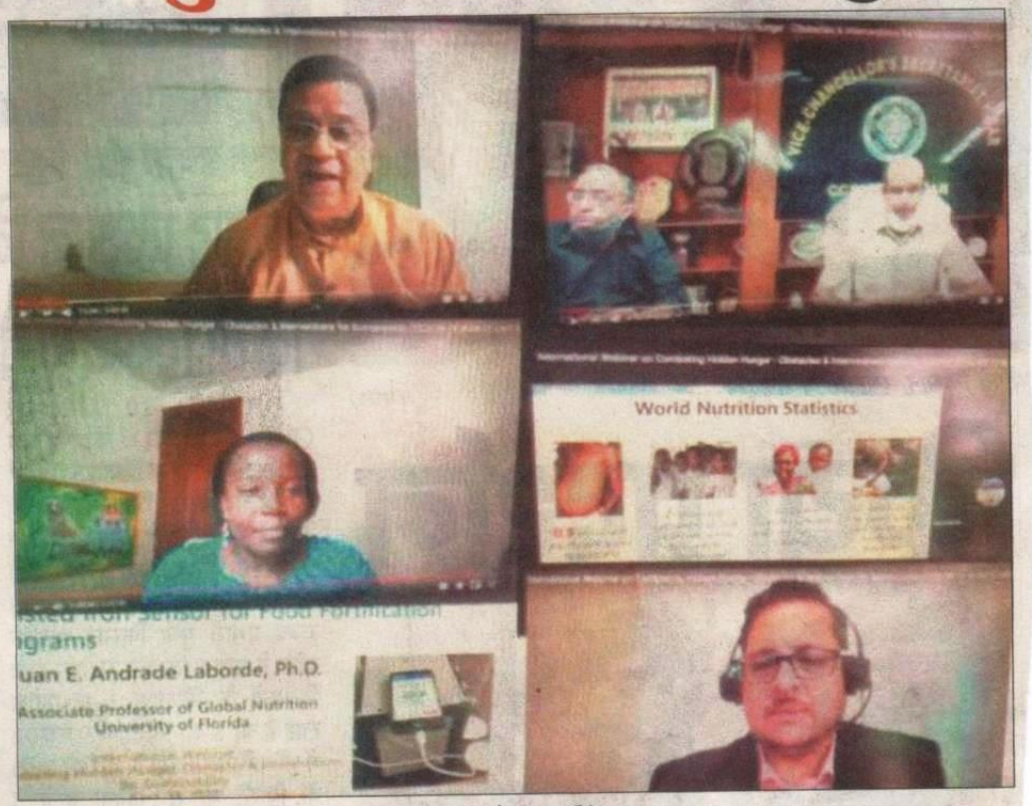

वैबिनार के दौरान व्याख्यान देते कमल गुप्ता, कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

इस वैबिनार को गूगल मीट के अलावा यू-ट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या....4....कॉलम....3-5....

जन आंदोलन व भागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : गुप्ता

भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें

हिसार (ब्यूरो)। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जन भागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। यह बात विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में कही। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विवि में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसमें स्मार्ट फोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का पता लगाया जा सकता है। हरियाणा सरकार की सचिव अमनीत पी कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चला रही हैं। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया-मूटी ने वैश्विक स्तर पर बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म, किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं आदि में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हिसार टुडे........

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, यूएसए व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डॉ. कमल गुप्ता

टुडे न्यूज़ | हिसार

कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय है। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार माननीय विधायक कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

मुख्यातिथि ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रूकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।

वेबिनार के दौरान व्याख्यान देते मुख्यातिथि कमल गुप्ता, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिड्न हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है।

स्मार्टफोन की मदद से पता चल जाएंगे भोजन में लौह तत्व

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसका उपयोग सामान्य लोग भी कर सकते हैं। हरियाणा सरकार की सचिव एवं मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की महानिदेशक अमनीत पी. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। सरकार कुपोषण व एनीमिया की समस्या के निवारण के लिए प्रयासरत है। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया-मूटी ने अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के माध्यम से वैश्विक स्तर पर बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और उनके समाधान को लेकर चर्चा की।

700 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने पोषण माह के तहत करवाई जा रही गतिविधियों के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इतनी तरक्की करने के बावजूद देश में कुपोषण की समस्या बहुत ही चिंताजनक है। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि इस वेबिनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। इस वेबिनार को गूगल मीट के अलावा यू-ट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पाँच बजे........

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, यू.एस.ए. व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डा. गुप्ता

पांच बजे न्यूज

हिसार। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार माननीय विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रूकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को

अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।

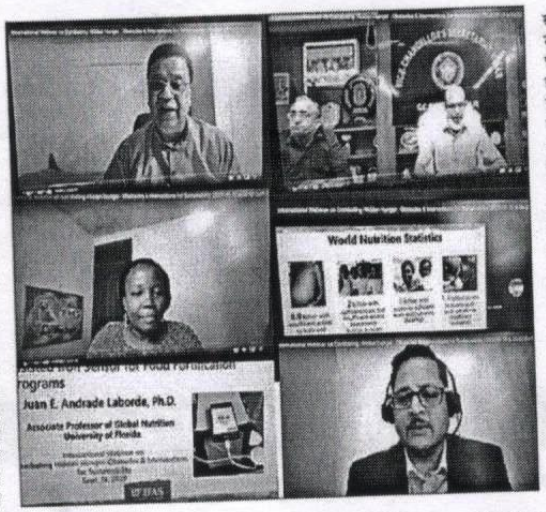

मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित है। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिड्न हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है।

स्मार्टफोन की मदद से पता चल जाएंगे भोजन में लौह तत्व

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसका उपयोग सामान्य लोग भी कर सकते हैं। हरियाणा सरकार की सचिव एवं मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की महानिदेशक अमनीत पी. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। सरकार कुपोषण व एनीमिया की समस्या के निदान के लिए प्रयासरत है। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया-मूटी ने अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के माध्यम से वैश्विक स्तर पर बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और उनके समाधान को लेकर चर्चा की।

700 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने पोषण माह के तहत करवाई जा रही गतिविधियों के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इतनी तरक्की करने के बावजूद देश में कुपोषण की समस्या बहुत ही चिंताजनक है। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि इस वेबिनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। इस वेबिनार को गुगल मीट के अलावा यू-ट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..........हैलो हिसार..........

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डा. कमल गुप्ता

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार माननीय विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने कार्यक्रम

'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं।

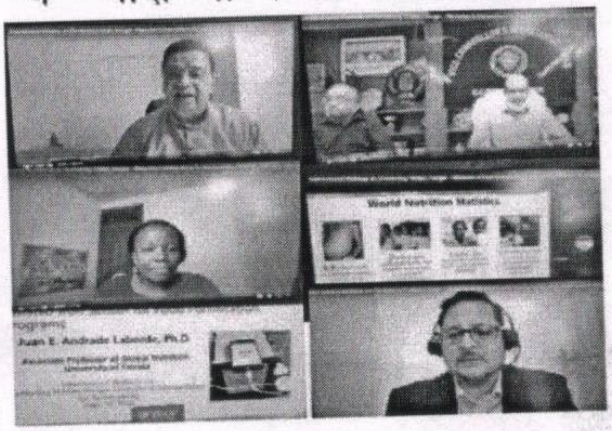

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 20.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : कमल गुप्ता

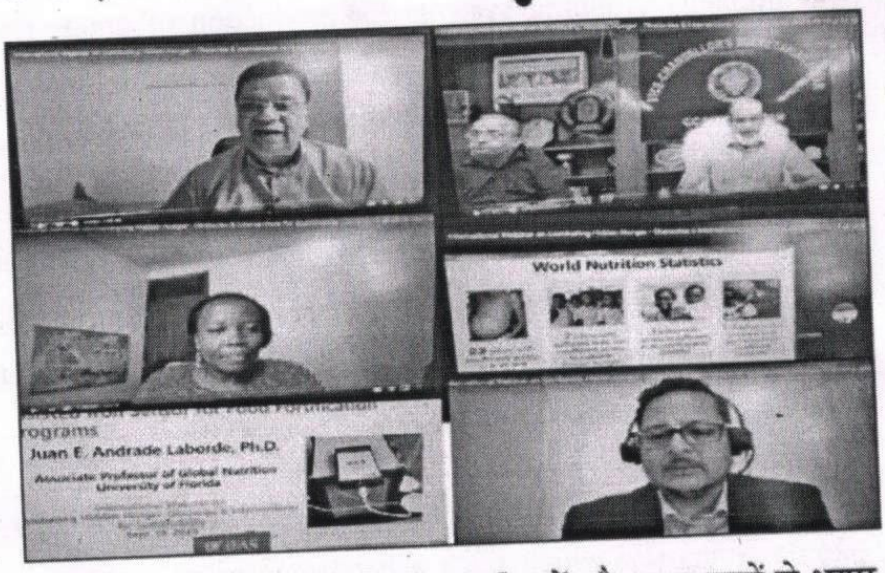

पल पल न्यूज: हिसार, 20 सितंबर। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रूकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ: छोर........

दिनांक 20.9.2020 पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

भोजन में मोटे अनाज, हरी.सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करें: डॉ. गुप्ता

हिसार/20 सितंबर/रिपोर्टर

कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम मन की बात में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रूकती है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी.सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वैबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल.सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन.ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिड्न हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है। वैबिनार में व्याख्यान देते हुए यूएसए की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसका उपयोग सामान्य लोग भी कर सकते हैं। मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की महानिदेशक व सचिव अमनीत पी कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। सरकार कुपोषण व एनीमिया की समस्या के निदान के लिए प्रयासरत है। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया.मूटी ने वैश्विक स्तर पर बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और उनके समाधान को लेकर चर्चा की। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि इतनी तरक्की करने के बावजूद देश में कुपोषण की समस्या बहुत ही चिंताजनक है। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि इस वैबिनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। इस वैबिनार को गुगल मीट के अलावा यूट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जागमार्ग.....

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

कार्यक्रम

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत हुआ अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

'जन आंदोलन व जन भागीदारी से मिटाया जा सकेगा कुपोषण'

- यूएसए व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान

जागमार्ग न्यूज

हिसार। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है।

यह बात हिसार के विधायक कमल गुप्ता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रूकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।

मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती।

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसका उपयोग सामान्य लोग भी कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक ..21.9.2020.. पृष्ठ संख्या.......2....... कॉलम......1-2......

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. कृष्ण यादव

इस माह के आखिरी सप्ताह में शुरू करे बरसीम की बिजाई

इस माह के आखिरी सप्ताह में बरसीम की बिजाई शुरू कर दें। बिजाई के लिए केवल बरसीम की सिफारिशशुदा किस्मों जैसे मैस्कावी हिसार बरसीम-1 व हिसार बरसीम-2 के शुद्ध बीजों को ही काम में लाएं। खेत को इस प्रकार तैयार करें कि मिट्टी भुरभुरी हो जाए, खरपतवार बिल्कुल न हों व खेत समतल हो। बिजाई से पहले खेत में पानी भर लें। बीजा छिट्टा विधि से खेत में एकसार डालें। ध्यान रखें कि बिजाई के समय हवा न चलती हो। यदि तेज हवा चल रही हो तो बीज को खेत में छिड़क कर ऊपरी मिट्टी में मिलाकर जल्द सिंचाई कर दें। ध्यान रहे कि बीज में कासनी व अन्य खरपतवार के बीज न हो।

डॉ. कृष्ण यादव
हरियाणा कृषि विवि में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

बरसीम की पहली अच्छी कटाई लेने के लिए बरसीम के बीज के साथ-साथ 500 ग्राम जापानी सरसों या चीनी सरसों या जई का 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी है। एक एकड़ में बिजाई के लिए लगभग 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बिजाई के समय 22 किलोग्राम यूरिया और 175 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। यदि उपर्युक्त दोनों उर्वरक उपलब्ध न हों तो प्रति एकड़ 50 किलोग्राम डीएपी बिजाई के समय डाल सकते हैं। अगर यह खेत में पहली बार बीजी जा रही है तो राइजोबियम का टीका लगाना न भूलें। यदि बरसीम के साथ जई की मिश्रित फसल लेनी है तो 35 किलोग्राम अतिरिक्त यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए। तना गलन रोग से बचाव के लिए रोगरोधी किस्म हिसार बरसीम-1 या हिसार बरसीम -2 उगाएं।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या....1.....कॉलम....1-8.....

मंडे पॉजिटिव ■ पार्षद अमित ग्रोवर व सद्भावना संस्था ने खुद के खर्च पर रखा माली, ग्रीन बेल्ट को डिवेलप करने पर करीब 74 लाख का आएगा खर्च

एचएयू की हरियाली देख आया आइडिया, पार्षद ने लोगों के साथ मिलकर करनाल की तर्ज पर सेक्टर 16-17 में तैयार की पाम रोड

सेक्टर -13 के मेन रोड, सेक्टर 9-11 के मेन रोड और तोशाम रोड को भी विकसित करने का प्लान

भास्कर न्यूज | हिसार

सीएम सिटी करनाल की तर्ज पर हिसार के वार्ड 14 में पार्षद अमित ग्रोवर द्वारा सेक्टर 16-17 की मेन रोड को पाम रोड बनाया गया है। इस रोड पर सैकड़ों की संख्या में वाशिंगटना पाम और बोटल पाम लगाए गए हैं। शहर के ओपन रोड की बात करें तो यहां कोई ऐसा रोड नहीं है जो इसका मुकाबला कर सके। शहर का अब यह सबसे हराभरा और स्वच्छ रोड बनाया जा रहा है।

पार्षद अमित ग्रोवर ने बताया कि वार्ड को ग्रीन बनाने का आइडिया उन्हें एचएयू से मिला था। वहां पर लोग सुबह शाम शुद्ध हवा के लिए घूमने के लिए निकलते हैं। इसे देखकर उन्होंने ठाना कि वार्ड में ऐसी व्यवस्था की जाए कि यहां के लोगों को भी ऐसी सुविधा मिले। उन्होंने पहले नगर निगम अधिकारियों से बात कर हाउस में एजेंडा पास करवाया और फिर खुद के पैसों और जनता के सहयोग से पौधे लगाकर आदर्श वार्ड बनाने की प्लानिंग की। यह शहर का आदर्श रोड होगा। इसकी ग्रीन बेल्ट को डिवेलप करने पर करीब 74 लाख रुपये का खर्च आएगा। 2.5 किलोमीटर रोड को एचएयू की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

2.5 किलोमीटर रोड लंबे रोड पर फुल ग्रीनरी

सेक्टर 16-17 की ग्रीन बेल्ट में पौधे लगाते हुए। पार्षद ने बताया अब सेक्टर -13 के मेन रोड, सेक्टर 9-11 के मेन रोड व तोशाम रोड को भी विकसित करने की योजना है।

तीन महीने से जुटे हैं समाजसेवी, गावड़िया ने सहारनपुर से पाम के पौधे मंगवाए

करनाल में रोड किनारे सरकार ने लाखों रुपये के पेड़ लगाए हैं। मेनटेनेंस भी सरकार करा रही है। लेकिन यहां पार्षद ने सद्भावना संस्था के सदस्यों व समाजसेवी लोगों से संपर्क कर पेड़-पौधे लिए हैं। पार्षद पिछले 3 महीने से दिन-रात इस कार्य में लगे हैं। पिछले 2 महीने की मानदेय से स्थायी माली व पानी की व्यवस्था कर रहे हैं और स्वयं श्रमदान भी करते हैं। समाजसेवी राजेन्द्र गावड़िया ने सहारनपुर से पाम के पेड़ व ट्री गार्ड उपलब्ध करवाए हैं।

• ग्रीनरी बढ़ाने में इनका भी रहा योगदान

इस प्रोजेक्ट में निगम आयुक्त अशोक गर्ग, विनोद बेनीवाल सरपंच, सुशील खरींटा, ऋषि सैनी, राकेश अग्रवाल, त्रिलोक बंसल का विशेष योगदान रहा है। यहां फलों के अलावा पीपल, बड़ अन्य छायादार व ओषधीय पौधे भी लगाने की प्लानिंग है।